No. of Printed Pages : **4**

BES-126

00882

BACHELOR OF EDUCATION (B.Ed.)

Term-End Examination

December, 2018

BES-126 : KNOWLEDGE AND CURRICULUM

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : (i) ***All questions are compulsory.***

(ii) ***All questions carry equal weightage.***

1. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss the role of teachers as critical Pedagogues. Cite examples to support your answer.

   OR

   Explain the importance of contextualising learning. Discuss the role of teachers in generating dynamic curricular experiences.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Explain the various sources of knowledge with suitable examples.

   OR

   Reflect on the contributions of various ideologies on curriculum.

3. Answer **any four** of the following in about **150** words each :

(a) Importance of Behavioural-Rational approach to curriculum.

(b) Need for curriculum evaluation.

(c) Sense perception as a way of knowing.

(d) Characteristics of a curriculum leader.

(e) Teacher as a curriculum planner.

(f) Approaches of curriculum designing.

4. Answer the following question in about **600** words :

Suppose you are involved in the process of curriculum designing. Identify the needs of a secondary school learner and suggest the ways through which you will include them in curriculum designing.

बी.ई.एस.-126

शिक्षा में स्नातक (बी.एड.)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2018

बी.ई.एस.-126 : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : (i) ***सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।***

(ii) ***सभी प्रश्नों की भारिता समान है।***

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

एक आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्री के रूप में एक शिक्षक की भूमिका स्पष्ट कीजिए। अपने उत्तर के समर्थन में उचित उदाहरण दीजिए।

अथवा

अधिगम के स्थानीयकरण के महत्व की व्याख्या कीजिए। गतिशील पाठ्यचर्यात्मक अनुभव निर्मित करने में शिक्षकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए।

उचित उदाहरणों सहित ज्ञान के विविध स्रोतों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

पाठ्यचर्या में विभिन्न विचारधाराओं के योगदानों पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर दीजिए प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में हो।

(a) पाठ्यचर्या की व्यवहारात्मक-तार्किक उपागम का महत्व

(b) पाठ्यचर्या मूल्यांकन की आवश्यकता

(c) जानने के तरीके के रूप में संवेगी आग्रहण

(d) एक पाठ्यचर्या नेतृत्वकर्ता के लक्षण

(e) एक पाठ्यचर्या नियोजन के रूप में शिक्षक

(f) पाठ्यचर्या संरचित करने के उपागम

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग **600** शब्दों में दीजिए।

मान लीजिए आप पाठ्यचर्या संरचित करने की प्रक्रिया में सम्मिलित हैं। एक माध्यमिक विद्यालय के अध्येता की आवश्यकताओं को पहचानिए और वे तरीके सुझाइए जिनसे आप उन्हें पाठ्यचर्या निर्माण में स्थान देंगे?